भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद
द्वारा प्रायोजित
तीन दिवसीय कार्यशाला
'नृजाति वर्णन शोध के पद्धतिपरख परिप्रेक्ष्य'
(Methodological Perspective of Ethnographic Research)
दिनांक: 11-13 मार्च, 2019
आयोजनकर्ता
मानवविज्ञान विभाग
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

परिचय:

मानवविज्ञान विभाग द्वारा आपको यह सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है की वह भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय (11 मार्च, 2019 से 13 मार्च, 2019) कार्यशाला 'नृजाति वर्णन शोध के पद्धतिपरख परिप्रेक्ष्य' *(Methodological Perspective of Ethnographic Research)* विषय पर आयोजित कर रहा है। इसका उद्देश्य सामाजिक विज्ञान विशेषतः मानवविज्ञान विषय के शोधार्थियों में कौशल दक्षता को बढ़ाना और नृजातिवर्णन शोध-प्रविधि में आंकड़ों के संकलन एवं विश्लेषण में कौशल व क्षमता का विकास करना है। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में आमंत्रित किए गए प्रबुद्ध मानवशास्त्री व समाज वैज्ञानिक अपनी विशेषज्ञता के अनुरूप नृजाति वर्णन के विभिन्न पक्षों एवं आयामों से परिचित कराते हुये प्रशिक्षण प्रदान करेंगे, जिससे शोधार्थी अपने शोधकार्य में दक्ष एवं पारंगत हो सके।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शोधकर्ताओं को नृजाति वर्णन से संबंधित अनुसंधान की संपूर्ण प्रविधियों की बुनियादी अवधारणाओं और तकनीकियों को समझने के लिए सक्षम करना है। नृजाति लेखन करते समय शोधार्थी को पूर्वाग्रह से बचने के लिए मानवविज्ञान की विभिन्न अवधारणाओं जैसे नृजातीयता, ऐतिहासिक विशिष्टतावाद, सांस्कृतिक सापेक्षवाद एवं एमिक-एटीक इत्यादि से भी परिचित कराया जायेगा। यह कार्यशाला नृजाति वर्णन की प्रविधियों पर विवेचनात्मक ज्ञान एवं शोध-प्रारूप के अनुसार तुलनात्मक एवं ऐतिहासिक शोध-प्रविधि के चयन की उपयोगिता पर केंद्रित होगी साथ ही क्षेत्रकार्य एवं नृजाति अध्ययन पर समझ विकसित करेगी।

यह कार्यशाला जिन प्रश्नों को केंद्र में रखकर सम्पन्न होगी वह निम्नलिखित हैं-

1. क्या नृजाति वर्णन, अध्ययनित समुदाय के सम्पूर्ण पक्षों का सही संदर्भों में व्याख्या करती है?
2. पूर्वाग्रहों से ग्रसित हुए बिना, नृजाति वर्णन कैसे किया जा सकता है?

इस कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को निम्न बिन्दुओं पर प्रशिक्षण दिया जायेगा:-

1. नृजाति वर्णन का परिचय एवं अन्य विषयों में इसकी उपयोगिता।
2. पूर्वाग्रहों एवं पक्षपातपूर्ण (bias) लेखन से बचने के लिए मानवविज्ञान की विभिन्न अवधारणाओं से अवगत कराना।
3. नृजाति वर्णन के मूल आधार, क्षेत्रकार्य, जनगणना, निदर्शन, शोध-मार्गदर्शिका, प्रतिभागी-अवलोकन, मुख्य सूचनादाता, साक्षात्कार-प्रविधि, वंशावली, वैयक्तिक अध्ययन, ध्वनिरिकार्ड, छायांकन व वीडियोग्राफी विधि के विश्लेषण एवं विवेचना संबंधी अभिरुचि पैदा करना है।

4. अवलोकन प्रविधि के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण देना।
5. नृजाति वर्णन में शोधकर्ताओं को शोध विशेषताओं की सम्पूर्ण जानकारी जैसे- शोध सेल, सोशल मैंपिंग, रिसोर्स मैंपिंग, महत्वपूर्ण सूचना, साक्षात्कार, केंद्रीय समूह वार्ता, समूह वार्ता एवं अन्य प्रविधियों की संरचनात्मक जानकारी प्रदान करना।

प्रतिभागियों हेतु योग्यता एवं सीटो की संख्या:

ऐसे ऊर्जावान शोधार्थी जो सामाजिक विज्ञान के विषयों से संबंधित है (एम.फिल./पी-एच.डी./पी-डी.एफ.) वे आवेदन कर सकते हैं। सीटों की अधिकतम संख्या 30 है जिसमें प्रतिभागियों का चयन प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी के आधार पर किया जाएगा। मानवविज्ञान विषय के मूल प्रतिभागियों को वरीयता प्रदान की जाएगी व इसके उपरांत सामाजिक विज्ञान के अन्य विषयों के प्रतिभागीयों को सीट का आवंटन किया जाएगा।

आवेदन कैसे करे:

ऐसे प्रतिभागी जो कार्यशाला में सम्मिलित होने के इच्छुक हैं, वे दिये गए आवेदन प्रारूप में उल्लिखित जानकारी को भरकर शोध संक्षेपिका (अधिकतम 300 शब्द) के साथ प्रेषित कर सकते हैं। चयनित प्रतिभागियों की सूची विश्वविद्यालय की वेब साइट पर प्रकाशित की जाएगी।

1. ऐसे प्रतिभागी जो वर्धा शहर से बाहर रहते है वे आवेदन संलग्न प्रारूप में भरकर डॉ. अरुण कुमार को ई.मेल: anthroworkshop2019@gmail.com द्वारा 21 फरवरी, 2019 तक भेज सकते हैं।
2. वर्धा शहर के स्थानीय प्रतिभागी अपने आवेदन की हार्ड कॉपी 21 फरवरी, 2019 तक मानवविज्ञान विभाग में भवेन्द्र कुमार पाटिल के पास जमा कर सकते है।
3. प्रतिभागियों को अपने विभाग प्रमुख द्वारा आवेदन अग्रेषित करवाना अनिवार्य है। अपूर्ण एवं अग्रेषित न होने पर आवेदन मान्य नहीं होंगे।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद
द्वारा प्रायोजित
तीन दिवसीय कार्यशाला
'नृजाति वर्णन शोध के पद्धतिपरक परिप्रेक्ष्य'
(Methodological Perspective of Ethnographic Research)
दिनांक: 11-13 मार्च, 2019
आयोजनकर्ता
मानवविज्ञान विभाग
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

संरक्षक

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति

सह-संरक्षक

प्रो. आनंद वर्धन शर्मा
सम-कुलपति

कार्यक्रम सलाहकार समिति

प्रो. कृपाशंकर चौबे
संकायाध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक
विज्ञान विद्यापीठ

प्रो. मनोज कुमार
महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक
कार्य अध्ययन केंद्र

प्रो. देवराज
अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

कार्यक्रम निदेशक

प्रो. फरहद मलिक
विभागाध्यक्ष, मानवविज्ञान विभाग
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी
विश्वविद्यालय, वर्धा

कार्यक्रम समन्वयन समिति

प्रो. फरहद मलिक
डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव
डॉ. निशीथ राय
भवेन्द्र कुमार पाटिल
बृजेश नागवंशी
डॉ. अरुण कुमार
सुश्री सुमन चोपड़ा

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद
द्वारा प्रायोजित
तीन दिवसीय कार्यशाला
'नृजाति वर्णन शोध के पद्धतिपरख परिप्रेक्ष्य'
(Methodological Perspective of Ethnographic Research)
दिनांक: 11-13 मार्च, 2019
आयोजनकर्ता
मानवविज्ञान विभाग
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

नवीनतम पासपोर्ट साइज़ फोटो यहा चस्पा करें

आवेदन

प्रतिभागी का नाम: _____ **उम्र:** _____

लिंग:पुरुष/महिला **श्रेणी:** अनारक्षित/अ.पि.व./अ.जा./अ.ज.जा.

शारीरिक विकलांग: हाँ/नहीं **अल्पसंख्यक:** हाँ/नहीं

विभाग/विषय: _____

अध्ययनरत पाठ्यक्रम: _____ **पाठ्यक्रम में प्रवेश तिथि:** _____

संस्थान का नाम: _____

पत्राचार का पता: _____

_____

_____

संपर्क विवरण: (मोबाइल न.) _____ **फोन न.** _____

ई.मेल:_____

बैंक खाता संख्या:_____**बैंक का नाम:**_____

बैंक IFSC Code:_____ **बैंक ब्रांच का नाम:**_____

आवास आवश्यकता: हाँ /नहीं

प्रतिभागी के हस्ताक्षर

<u>संस्थान द्वारा प्रेषित करने हेतु</u>

शोधार्थी (एम.फिल/पी-एच.डी.) _____

को तीन दिवसीय कार्यशाला 'नृजाति वर्णन शोध के पद्धतिपरख परिप्रेक्ष्य' *(Methodological Perspective of Ethnographic Research)* में प्रतिभागिता हेतु नामित किया जाता है।

विभाग प्रमुख के हस्ताक्षर

दिनांक: **मोहर सहित**